Jal Jaaye Jihva Paapini Ram Ke Bina Lyrics in Hindi and English

Jal Jaaye Jihva Paapini Ram Ke Bina Lyrics in Hindi

राम बिना ।।। नर ऐसे जैसे, अश्व लगाम बिना,,,
जल जाए जिह्वा पापिनी, राम के बिना ।।
*राम के बिना रे, राम के बिना,
जल जाए जिह्वा पापिनी, राम के बिना ।।

क्षत्रिय आन बिना ।।, विप्र ज्ञान बिना, घर संतान बिना,
देह प्रान बिना, हाथ दान बिना, भोजन मान बिना ।।
हम सब का बेकार है जीना ।।, रघुवर नाम बिना,,,
जल जाए जिह्वा पापिनी, राम के बिना ।।

पंछी पंख बिना ।।, बिच्छू डंक बिना, आरति शंख बिना,
गणित अंक बिना, कमल पंक बिना, निशा मयंक बिना ।।
ब्यर्थ भ्रमण चिंतन भाषण सब ।।, हरि के नाम बिना,,,
जल जाए जिह्वा पापिनी, राम के बिना ।।

प्रिया कंत बिना ।।, हस्ती दंत बिना, आदि अंत बिना,
वेद मंत्र बिना, मठ महंत बिना, कुटिया संत बिना ।।
भजन बिना नर ऐसे जैसे ।।, अश्व लगाम बिना,,,
जल जाए जिह्वा पापिनी, राम के बिना ।।

पुष्प बाग बिना ।।, संत त्याग बिना, गाना राग बिना,
शीश नमन बिना, नयन दरस बिना, नारी सुहाग बिना ।।
संत कहे ये जग है सूना ।।, आत्म ज्ञान बिना,,,
जल जाए जिह्वा पापिनी, राम के बिना ।।

Jal Jaaye Jihva Paapini Ram Ke Bina Lyrics in English

Ram bina lll nar aise jaise, ashw lagaam bina,,,
Jal jaye jihwa paapini, Ram ke bina ll

Ram ke bina re, Ram ke bina,
Jal jaye jihwa paapini, Ram ke bina ll

Kshatriya aan bina ll, Vipra gyaan bina, ghar santaan bina,
Deh praan bina, haath daan bina, bhojan maan bina ll
Hum sab ka bekaar hai jeena ll, Raghuvar naam bina,,,
Jal jaye jihwa paapini, Ram ke bina ll

Panchi pankh bina ll, Bichhoo dank bina, aarati shankh bina,
Ganit ank bina, kamal pankh bina, nisha mayank bina ll
Byarth bhraman chintan bhaashan sab ll, Hari ke naam bina,,,
Jal jaye jihwa paapini, Ram ke bina ll

Priya kant bina ll, hastee dant bina, aadi ant bina,
Veda mantr bina, math mahant bina, kutiya sant bina ll
Bhajan bina nar aise jaise ll, ashw lagaam bina,,,
Jal jaye jihwa paapini, Ram ke bina ll

Pushp baag bina ll, sant tyaag bina, gaana raag bina,
Sheesh naman bina, nayan darshan bina, naari suhaag bina ll
Sant kahe ye jag hai soona ll, aatma gyaan bina,,,
Jal jaye jihwa paapini, Ram ke bina ll

About Jal Jaaye Jihva Paapini Ram Ke Bina Bhajan in English

“Jal Jaaye Jihva Paapini Ram Ke Bina” is a soul-stirring bhajan that emphasizes the significance of chanting the divine name of Lord Ram and how life becomes incomplete and futile without it. This devotional song illustrates the idea that everything in life—whether it’s wealth, knowledge, family, or even basic functions like speech or physical existence—becomes meaningless without the presence of Lord Ram’s name.

Key Themes of the Bhajan:
The Futility of Life Without Ram’s Name
The bhajan opens with a powerful metaphor, comparing a human being without Ram’s name to a horse without reins, aimlessly wandering. The line “Jal Jaaye Jihva Paapini, Ram Ke Bina” implies that the tongue, without chanting Ram’s name, is like fire—consumed by sin and unable to attain

peace. It stresses how crucial it is to remember and chant the name of Ram to purify oneself and lead a meaningful life.

The Incomplete Nature of Existence Without Divine Connection
The bhajan goes on to describe various aspects of life—such as the warrior's honor (kshatriya), the priest's knowledge (vipra), and even the essentials like food, family, and life itself—without Ram's name, these become hollow and incomplete. It beautifully portrays that true fulfillment comes only through devotion to Lord Ram.

The Inner Meaninglessness of Life
The verses suggest that just like a bird without wings or a scorpion without a sting, life lacks its true essence without devotion to the Lord. Activities like chanting, thinking, and speaking are rendered pointless if not connected to the remembrance of God. It reinforces the idea that everything in life is interconnected with the divine, and without this connection, nothing holds true meaning.

The Ultimate Power of Bhakti (Devotion)
The bhajan stresses the importance of devotional practices like bhajan (spiritual song) to awaken the divine connection. The lack of bhakti is compared to a tree without flowers or a wife without her husband's love. This illustrates that true spiritual awakening and peace come only from deep devotion and surrender to the divine.

The Vision of Saints
In the final lines, the bhajan reflects the wisdom of the saints who declare that the world is empty and incomplete without the knowledge of the self and without divine understanding. The saints encourage the realization that true fulfillment and bliss are found in remembering the Lord, especially through His name, which is the ultimate source of peace and liberation.

Key Message:
"Jal Jaaye Jihva Paapini Ram Ke Bina" carries a profound message: Life is incomplete and futile without the remembrance and chanting of Lord Ram's name. It is a call to recognize the divine presence in every moment of life and to understand that without devotion, life loses its meaning and

purpose. The bhajan inspires listeners to connect with their inner selves and with the divine by chanting Ram's name, purifying their hearts and leading a life of spiritual fulfillment.

This bhajan is a beautiful reminder that everything in life—from the mundane to the extraordinary—becomes meaningful and complete when devoted to the remembrance of the Lord.

About Jal Jaaye Jihva Paapini Ram Ke Bina Bhajan in Hindi

"जल जाए जिहवा पापिनी राम के बिना" भजन के बारे में

"जल जाए जिहवा पापिनी राम के बिना" एक अत्यंत प्रभावशाली भजन है, जो भगवान राम के नाम के महत्व को दर्शाता है और यह बताता है कि राम के नाम के बिना जीवन अधूरा और व्यर्थ है। इस भजन में यह भाव व्यक्त किया गया है कि जीवन के सभी पहलू—धन, ज्ञान, परिवार, और यहां तक कि शारीरिक अस्तित्व भी—राम के नाम के बिना बेकार हैं। यह भजन हमें भगवान राम के नाम के जाप की शक्ति और जीवन में उसकी आवश्यक भूमिका के बारे में जागरूक करता है।

भजन के प्रमुख विषय :
राम के बिना जीवन का व्यर्थ होना
भजन की शुरुआत एक शक्तिशाली उपमा से होती है, जिसमें मनुष्य को बिना राम के नाम के लगाम के घोड़े जैसा बताया गया है, जो बिना उद्देश्य के भटकता रहता है। "जल जाए जिहवा पापिनी राम के बिना" की पंक्ति यह बताती है कि बिना राम के नाम के जीभ की कोई शक्ति नहीं होती, और यह पापों से जलकर नष्ट हो जाती है। यह भजन यह सिखाता है कि राम के नाम का जाप आत्मा को शुद्ध करता है और जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाता है।

आध्यात्मिकता के बिना जीवन की अधूरापन
भजन यह बताता है कि जैसे क्षत्रिय का मान, ब्राह्मण का ज्ञान, और परिवार का सुख राम के नाम के बिना अधूरा है, वैसे ही जीवन के अन्य पहलू—शरीर, प्राण, भोजन, और दान—भी व्यर्थ हैं। यह भजन हमें यह समझाने का प्रयास करता है कि भगवान राम के नाम के बिना किसी भी कार्य का कोई सच्चा अर्थ नहीं होता।

जीवन की निरर्थकता बिना भक्ति
भजन में यह कहा गया है कि जैसे पंछी के बिना पंख या बिच्छू के बिना डंक बेकार हैं, वैसे ही मनुष्य की सभी गतिविधियाँ—चिंतन, भाषण, और भक्ति—जब तक राम के नाम से जुड़ी नहीं होतीं, बेकार होती हैं। यह भजन यह संदेश देता है कि अगर हम राम के नाम से जुड़े

बिना किसी कार्य में लगे रहते हैं, तो वह कार्य निरर्थक है।

भक्ति का महत्व
इस भजन में भक्ति का महत्व बताया गया है। भगवान के नाम का जाप ही जीवन का सर्वोत्तम कार्य है, जैसे बिना पुष्प के बाग या बिना संत के आश्रम कुछ नहीं है। भजन हमें यह प्रेरणा देता है कि हमें भगवान के नाम की भक्ति करनी चाहिए, क्योंकि केवल वही भक्ति जीवन को संपूर्णता और सुख देती है।

संतों की दृष्टि
अंत में भजन संतों की शिक्षाओं को प्रस्तुत करता है, जो कहते हैं कि इस संसार में आत्मज्ञान और राम के नाम के बिना सब कुछ व्यर्थ है। संतों के अनुसार, संसार में केवल वही सुख और शांति मिल सकती है जो राम के नाम में समाहित है। भजन हमें यह याद दिलाता है कि जब तक हम राम के नाम से जुड़ते नहीं, जीवन की सच्ची खुशी नहीं पा सकते।

मुख्य संदेश :
“जल जाए जिहवा पापिनी राम के बिना” भजन का मुख्य संदेश है कि जीवन में भगवान राम के नाम का जाप बहुत जरूरी है। यह भजन हमें यह बताता है कि बिना राम के नाम के जीवन की कोई असली महत्वता नहीं है, और राम के नाम से ही हमें आत्मिक शांति और उद्देश्य प्राप्त होता है। यह भजन हमें प्रेरित करता है कि हम अपने जीवन में भगवान राम के नाम का जाप करें, ताकि हम शुद्ध हो सकें और अपने जीवन को एक उच्च उद्देश्य के साथ जी सकें।

यह भजन भक्ति, शुद्धि और आत्मिक उन्नति का संदेश देता है, और यह हमें यह याद दिलाता है कि भगवान के नाम में ही असली सुख और शांति है।